जय जय महाश्रमण

नारीलोक

अंक 246 पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान) दिसम्बर 2018

अध्यक्षीय कार्यालय :
श्रीमती कुमुद कच्छारा
अम्हेर ज्वेलरी, ऑफिस नं. 6
लक्ष्मी भुवन, आनन्दजी लेन
रसिकलाल ज्वेलर्स के सामने
एम.जी. रोड़, घाटकोपर (ई)
मुम्बई - 77
मो. : 9833237907
e-mail : kumud.abtmm@gmail.com

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

मन की छत को करें मजबूत, जीवन में पाएं खुशियां भरपूर

प्रिय बहनों,

सादर जय जिनेन्द्र!

दिसम्बर माह साल का आखिरी महीना, बीते वर्ष से संबोध पाने का सर्वश्रेष्ठ समय, चारों ओर चातुर्मास का सुखद समापन, चारित्रात्माओं का विहार, शीतकाल का प्रारंभ और नववर्ष के आगमन की तैयारियां। सबकुछ बदला-बदला सा नजर आ रहा है और आना स्वाभाविक भी है। बहनों, चार माह में आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत:प्रोत होकर आप सभी ने अपने जीवन में वास्तविक खुशियां बटोरने का लक्ष्य बना लिया होगा। यदि नहीं बनाया हो तो अवश्य बना लें। खुशियों के मायने सभी के लिए अलग-अलग हो सकते हैं मगर वास्तविक खुशी का मूल मंत्र सिर्फ एक ही है **'संतोष'**। अंतर्मन को संतुष्ट करना लोहे के चने चबाने जैसा मुश्किल कार्य है पर नामुमकिन नहीं। हमारा मन रूपी घोड़ा बड़ा चंचल है। यदि उसे संतोष की लगाम से वश में नहीं किया जाये तो पल-पल में अशांत हो जाता है, छोटी-छोटी मुसीबतों में हार मान बैठता है, साधारण सी परिस्थिति में विचलित हो जाता है और तो और तनाव से दु:खी और पीड़ित हो जाता है। बडी विडम्बना है कि आजकल व्यक्ति अपने अभाव से नहीं पडोसी के प्रभाव से दु:खी है। यह तुलनात्मक दृष्टिकोण उसे तनाव की खाई में धकेल रहा है। उससे बचने का एक ही उपाय है, **संतोष रूपी धन का अर्जन।**

बहनों, हम परिवार के सदस्यों के बीच खास तौर पर युवा पीढ़ी के समक्ष अगर इस बात का उल्लेख करें तो बहुत बड़ा तर्क-वितर्क खड़ा हो सकता है। क्योंकि आजकल बौद्धिक एवं आर्थिक संपदा के बढते प्रभाव से हमारे मन की छत कमजोर होती जा रही है। उसे मजबूत किये बिना खुशहाल जीवन की परिकल्पना नहीं की जा सकती। इसका जीता जागता उदाहरण माधावरम्, चैन्नई में परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी के कर कमलों से दीक्षित होने वाला चैन्नई का बोहरा परिवार हैं। पूर्व जन्म के संस्कार, क्षयोपशम आदि बातों के अलावा यदि वो अपने मन को मजबूत नहीं करते तो अल्प समय में इतनी संपदा को छोड़कर परिवार के चारों सदस्य संयम पथ पर अग्रसर होने का साहस नहीं कर पाते। इस कलियुग में ऐसा उदाहरण मिलना मुश्किल है। हमें निरंतर यह अभ्यास करते रहना चाहिए कि मेरे पास जितना कुछ है पर्याप्त है, मेरे पास जो है सर्वश्रेष्ठ है, मैं सबसे सुखी हूं। इस प्रकार आत्मतोष की अनुभूति करते हुए खुशहाल जीवन की ओर प्रस्थान करें। सच्चा **संतोष** वही है जिसे कोई भी बाधा खंडित नहीं कर पाए। हम मन की छत को **संतोष** की सीमेन्ट से तैयार करेंगे तो वह अवश्य मजबूत होगी। कहा गया है कि -

पोर को पकड़ा नहीं जा सकता, प्रकाश को छुआ नहीं जा सकता,
समन्दर को मापा नहीं जा सकता, हवा को देखा नहीं जा सकता,
पर किया जा सकता है अपने मन को एकाग्र, यदि कर लिया अपने मन को मजबूत,
तो सही चिंतन, दृढ़ संकल्प और गहरी आस्था से अवश्य जीवन में आयेगी खुशियां भरपूर।

बहनों, इस माह में एक ओर जहां नारी जाति के उद्धारक भगवान महावीर का दीक्षा कल्याणक हमें अपनी आत्मा पर विजय प्राप्त करने की प्रेरणा देता है तो दूसरी ओर नारी जाति के पुनरूद्धारक आचार्य श्री तुलसी का दीक्षा दिवस हमें जैन जीवन शैली के सूत्रों को आत्मसात् कर संयमित जीवन जीने की कला सिखाता है। पूरे विश्व को एकता और भाईचारे का पाठ पढ़ाने वाले ईसा मसीह का जन्म दिवस उपहारों के आदान-प्रदान से खुशियां बटोरने की

अध्यक्षीय

प्रेरणा देता है तो भगवान पार्श्व का जन्म कल्याणक तप और जप से अपनी आत्मा को पवित्र पावन बनाने की राह प्रशस्त करता है।

31 दिसम्बर का दिन माह का भी अंतिम दिन और साल का भी अंतिम दिन। इस दिन को बड़ा महत्वपूर्ण माना जाता है। 31 दिसम्बर की रात्रि 12 बजे का युवा पीढ़ी को बेसब्री से इंतजार रहता है। उस समय का दृश्य हृदय को द्रवित करने वाला होता है। पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में मग्न व्यक्ति अपना होश खो बैठता है। यदि ऐसे समय में मन मजबूत नहीं होगा तो व्यक्ति किसी भी तरह से विचलित हो सकता है। बहनों, इस बार विशेष प्रेरणा अपने-अपने परिवार के सभी सदस्यों को दें कि अपने मन को मजबूत करना है, अपने आप पर नियंत्रण रखना है और एक आदर्श प्रस्तुत करना है। सौभाग्य से इस माह 31 दिसम्बर को भगवान पार्श्व का जन्म कल्याणक दिवस है। इस दिन भले ही हम विशेष तप-जप की आराधना नहीं कर सके, कम से कम ऐसा कोई कार्य नहीं करें जिससे हमारा सम्यक्त्व दूषित हो। भीतर में शुभ संकल्प संजोते हुए नव वर्ष का स्वागत करें।

संकल्प और विश्वास को मजबूत बनाएं, आलोचना और अहंकार पर नियंत्रण करें
भाग्यवादी के साथ पुरुषार्थवादी भी बनें, आपसी संबंधों को मन से जीना सीखें
प्रतिकूलता में भी मन-भाषा पर संयम रखें, किये गये वादों को समय पर पूरा करें
संतोष रूपी धन से खुशियां ही खुशियां बटोरें।

आपकी अपनी
कुमुद कच्छारा

कविता प्रतियोगिता

बहनों ! प्रेक्षा प्रणेता आचार्यश्री महाप्रज्ञजी का जन्म शताब्दी का स्वर्णिम अवसर हमारे सामने है। हम सौभाग्यशाली है कि आचार्य श्री महाप्रज्ञजी की समृद्ध साहित्य संपदा तेरापंथ धर्मसंघ में उपलब्ध है। उन साहित्य के शीर्षक पर कविता प्रतियोगिता का आयोजन करे। कविता लिखित में मंगवाये।

उदाहरण - ''किसने कहा मन चंचल है'' इसको कविता का शीर्षक बनाएं और उस पर अपने मौलिक भाव लिखें या फिर इस पुस्तक को पढ़कर उसका भावार्थ कविता में दर्शाएं।

- शाखा मंडल अपने-अपने क्षेत्र में कविता प्रतियोगिता का आयोजन करे तथा चयनित सर्वश्रेष्ठ प्रथम, द्वितीय, तृतीय कविता को अध्यक्षीय कार्यालय में **28 फरवरी** तक भेजे।
- कविता स्वरचित व मौलिक हो।
- कम से कम 15 व अधिकतम 20 लाइन में हो।
- कविता फुल स्केप साइज के पेपर पर सुंदर अक्षरों में लिखी हो या टाइप की हुई हो। साथ में रचनाकार का नाम, फोन नं. व क्षेत्र का नाम लिखा हुआ हो।
- शाखा मंडल के अध्यक्ष या मंत्री के माध्यम से ही कविता भेजे। व्यक्तिगत कोई नहीं भेजे।
- राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्य भी इसमें भाग ले सकते हैं।
- कौन-से शाखा मंडल को किस पुस्तक पर कविता लिखनी है उसकी जानकारी श्रीमती वीणा बैद - 09448063260 से प्राप्त करें। साहित्य सूची वाट्सअप के माध्यम से प्रेषित कर दी जायेगी।
- समस्त रचनाओं में से सर्वश्रेष्ठ 100 कविताओं का चयन करके पुस्तक में प्रकाशित किया जायेगा।

ऊर्जावाणी

आत्मोदय में जो सुख है, आनन्द है, उसे शब्दों में अभिव्यक्त नहीं किया जा सकता। जिनके सामने आत्मोदय का लक्ष्य नहीं है, जो गृहस्थ जीवन जीते हैं, वे आर्थिक दृष्टि से कितने ही सम्पन्न क्यों न हों, भरे-पूरे परिवार से जुड़े हुए हों, सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों में प्रतिष्ठित हों पर उनकी स्थिति संतोषजनक नहीं होती।

हमने देखा है, बड़े-बड़े घरों के बड़े-बूढ़े लोग अपनी उम्र के ढलान पर होते हैं तो उन्हें एकाकी जीवन जीना पड़ता है। पुत्रों, पुत्रवधुओं या पौत्रों के पास इतना समय नहीं रहता कि कोई उनकी सेवा में रह सके। परिवार के साथ रहने की इच्छा अथवा अकेलेपन में रहने की अक्षमता के कारण जो लोग व्यावसायकि क्षेत्र में जाकर परिवार के साथ रहे हैं, वे भी एकाकीपन की पीड़ा से उबर नहीं पाते। काश ! ऐसे लोग स्वाध्याय, ध्यान आदि आलम्बनों के सहारे एकाकीपन की व्यथा से मुक्त हो पाते।

-आचार्य श्री तुलसी

आत्मा की खोज, मोक्ष की खोज दुनिया की सबसे बड़ी खोज है। जिसने आत्मा को खोज लिया, मोक्ष को खोज लिया, उसने चेतना को खोज लिया, जानने वाले को खोज लिया, ज्ञात को खोज लिया। जब इस खोज की दिशा का उद्घाटन होता है, तब व्यक्ति संसार में नहीं रहता, वह इस नकली जीवन में नहीं रहता, असली जीवन में चला जाता है।

-आचार्य श्री महाप्रज्ञ

पांच शब्द हैं - साध्य, साधन, साधना, साधक और सिद्धि। इन पांच शब्दों में मानो सब कुछ भरा हुआ है। साधना के पथ पर चलने वाला व्यक्ति साधक कहलाता है। साधक साध्य-प्राप्ति के लिए साधन की साधना करता है। प्रश्न हो सकता है मुख्य साध्य है या साधन? साधन का अपने आप में कोई खास महत्व नहीं होता। साधन वही अच्छा होता है जो हमें साध्य की ओर ले जाए, सही गंतव्य को प्राप्त करा सके। इसलिए मौलिक अथवा महत्वपूर्ण बात है कि साध्य का निश्चय ठीक होना चाहिए। साध्य का सम्यक् निश्चय हो गया फिर रास्ता चाहे उबड़-खाबड़ हो अथवा सीधा हो, साध्य उपलब्ध हो जाएगा।

-आचार्य श्री महाश्रमण

निर्णय की शक्ति सफलता का पहला सोपान है। इस सोपान पर चढ़े बिना कोई भी व्यक्ति , समाज या राष्ट्र अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो सकता है। हमें अपनी निर्णय शक्ति को मजबूत करना है ताकि हर परिस्थिति को झेल सके और उसका मुकाबला कर सके। हमें निर्णय की दिशा निश्चित करनी है। पर निर्णय की दिशा क्या हो? वह दिशा होगी आस्था, समर्पण व सत्य-निष्ठा की। सत्य-निष्ठा का जहां तक प्रश्न है वह निष्ठा सर्वप्रथम होनी चाहिए अपने प्रति। हमें गंभीर चिंतन करना है कि हम क्या है? हमें क्या बनना है? हमारे कण-कण में शक्ति के स्त्रोत बह रहे हैं। मात्र अपेक्षा है उसके सम्यक् नियोजन की। सम्यक् नियोजन के अभाव में निर्माण की शक्ति ध्वंस के रूप में परिणित हो जाती है।

-साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभा

We Connect

आज हर व्यक्ति खुशी की तलाश में है खुशी के मायने हर किसी के लिए अलग-अलग हो सकते हैं। किसी को खुद को खुश रखने में खुशी मिलती है तो किसी को दूसरों को खुश रखने में। सही मायने में व्यक्ति की खुशी उस चिराग की तरह हो जो स्वयं भी रोशन हो और दूसरों को भी अपनी रोशनी का सुख-सुकून-आनंद प्रदान करे। बहनों ! साल के आखिरी माह में हम ऐसी खुशियों की तलाश करे जिससे आनेवाले वर्ष में हमें परम आनंद की प्राप्ति हो। इस माह आयोजित करें -

Connection with Authentic Happiness

वास्तविक खुशियां अपनाएं, जीवन बगिया सरसाएं

- प्रशिक्षण के बिंदु :
  - पारस्परिक सामंजस्य, खुशहाल जीवन का रहस्य।
  - प्रसन्न मन, स्वस्थ तन, न करे तुलनात्मक चिंतन।
- प्रायोगिक प्रशिक्षण : खुशियां बांटे, तनाव छांटे
  - अर्हम् की ध्वनि।
  - तनाव मुक्ति के प्रयोग व मंगल भावना
  - हास्य के प्रयोग (Laughing Therapy)।

''**छोटी-छोटी खुशियों के स्वर्णिम पल**'' विषय पर विचारों का आदान-प्रदान करे तथा सर्वश्रेष्ठ विचार को पुरस्कृत करें।

We Connect के अन्तर्गत आगामी माह के करणीय कार्य

जनवरी - Connection with Devotion : संगीतमय सार्थक भक्ति, जगाएं आत्मशक्ति

''गीत ये निर्माण के'' पुस्तिका के आधार पर भजन मंडली प्रतियोगिता का आयोजन करे।

फरवरी - Connection with Wellness : स्वास्थ्य जीवन की असली पूंजी, सुखी जीवन की सही कुंजी

विश्व कैंसर दिवस के उपलक्ष में पूरे फरवरी माह में अपनी-अपनी सुविधानुसार कैंसर जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य प्रशिक्षण एवं परीक्षण कैंप का आयोजन करें।

मार्च - Connection with Empowered Mind : सशक्त नारियां देश की तकदीर, बदल देगी कल की तस्वीर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में जैन-अजैन समस्त समाज की अग्रणी महिलाओं के साथ शिखर वार्ता का आयोजन करें।

अप्रैल - Connection with Technology : कार्यशैली बने सटीक, सीखें नई-नई तकनीक

कार्यशाला का आयोजन करें

नोट : समस्त कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी समय-समय पर नारीलोक के माध्यम से प्रेषित कर दी जायेगी।

इस माह का संकल्प - प्रतिदिन 21 बार दीर्घश्वास प्रेक्षा का प्रयोग करें

करणीय कार्य - दिसम्बर

बेटियों के बढ़ते कदम - फहराएं विकास के परचम

प्यारी बेटियों

सादर जय जिनेन्द्र !

वर्तमान युग विकास का युग है और विज्ञान का भी। विकास के इस युग में आप के सामने व्यक्तित्व और कर्तृत्व को संवारने वाले कई रास्ते मिलेंगे जहां से विकास की मंजिले आप का इन्तजार कर रही होगी, जो देगी आपको एक उज्जवल भविष्य। परन्तु इन रास्तों को चुनते वक्त हमें कुछ बातों का अवश्य ध्यान रखना होगा क्योंकि आज विज्ञान ने जहां हमारे काम को आसान बनाया है वहीं उसके कुछ दुष्परिणाम ने हमारी स्वस्थ जीवन शैली के सामने प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिये हैं।

अतः आवश्यक है विवेक को जगाने की – हम Technology का उपयोग कब और कितना करें ?

• आइये समीक्षा करते हैं – Debate Competition के साथ जिसका विषय है –

Mobile application A Boon or A curse

Shopping, Food, Travelling आदि के लिए बने विभिन्न Mobile App eg. Zomato, Swiggy, Flipkart, Amazon, Uber आदि के उपयोग हमें सोचने पर मजबूर करते है कि –

Mobile Applications -

- Save our time or make us aloof
- Make our life easy or make us Lazy

आपको Debate Compitation करके विजेता को पुरस्कृत करना है।

• Helping Hands :– आओ कुछ नेक करे, खुशियों के रंग भरे। It is time to give back to Society .

क्या देना है :– पुराने कपड़े, कम्बल, जूते, किताबें, खिलौने, Food Items.....

कहाँ देना है :– वृद्धाश्रम, अनाथाश्रम, सरकारी अस्पताल, Street Kids.....

आपकी दीदी
मधु देरासरिया

LCTC के बढ़ते कदम

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का एक सशक्त प्रयास लाइफ कोच ट्रेनिंग कोर्स LCTC। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने अपने प्रथम अध्यक्षीय वक्तव्य में इस कोर्स की घोषणा करते हुए इसके अंतर्गत सौ मोटीवेटर्स तैयार करने का लक्ष्य रखा। कुछ ऐसे व्यक्तित्व जो जिंदगी की दिशा और दशा दोनों बदल सकते हैं। इस उपक्रम में जब नारीलोक के साथ फॉर्म भेजे गए तो अच्छा प्रतिसाद मिला। 60 बहनों के साथ इस सफर की शुरुआत की गयी। चेन्नई अधिवेशन में कई बहनों ने इस उपक्रम से जुड़ने की उत्सुकता दिखाई। बहनो की इसी मांग को ध्यान में रखते हुए LCTC ग्रुप –2 बनाया गया और अब उस दूसरे ग्रुप में 75 से भी अधिक बहने हैं। देशभर में अनेकों स्थानों से जैसे हैदराबाद, शिलोंग, जयपुर, चेन्नई, गुजरात, राजस्थान का मेवाड़ संभाग आदि से प्रतिभागी इस कोर्स का हिस्सा बने है। ग्रुप –1 इस कोर्स के तीन मोड्यूल पूरे कर चतुर्थ मोड्यूल के पायदान पर पहुंच चुका है ! ग्रुप –2 भी जोश के साथ आगे बढ़ रहा है एवं जल्द ही ग्रुप –1 के साथ हो जायेगा। सभी शाखा मंडल के अध्यक्ष/मंत्री दिसम्बर माह की We Connect कार्यशाला में अपने–अपने क्षेत्र के LCTC के प्रतिभागी को पांच–पांच मिनिट का समय प्रशिक्षण के लिए अवश्य दें और Feedback फॉर्म भरकर श्रीमती जयश्री बडाला–09867486848 को वॉटसअप करें। Feedback फॉर्म नारीलोक के साथ संलग्न है।

संयोजिका – श्रीमती जयश्री बड़ाला, श्रीमती रत्ना कोठारी, श्रीमती रचना हिरण

भजन मंडली प्रतियोगिता से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश

प्रथम राउण्ड – करें अन्तर्मन से स्तुति, दे स्वैच्छिक गीत प्रस्तुति

इस राउण्ड में अपनी स्वेच्छा से स्तुति परक गीत की प्रस्तुति देनी है। जैसे कि नमस्कार महामंत्र, तीर्थंकर एवं आचार्यों की स्तुति इत्यादि.....

द्वितीय राउण्ड – गीत निर्माण के गुनगुनाएं, अपनी पसंद का गीत सुनाएं

इस राउण्ड में ''गीत ये निर्माण के'' पुस्तिका में से अपनी पसंद के गीत के दो पद्य प्रोप्स (Props) के साथ प्रस्तुत करें।

तृतीय राउण्ड – शब्द से शब्द मिले, श्रद्धा को बल मिले

इस राउण्ड में ''गीत ये निर्माण के'' पुस्तिका के गीतों में से शब्दों का चयन करके पर्ची बना ले और प्रत्येक ग्रुप लॉटरी सिस्टम से पर्ची उठाकर जो शब्द आये उसे दर्शाता हुआ पद्य सुनाएं। यदि शब्द पद्य में आ रहा है तो उस गीत का मुखड़ा भी सुनाएं और यदि शब्द मुखड़े में आ रहा है तो साथ में एक पद्य भी सुनाएं।

चतुर्थ राउण्ड – धुन पहचाने, गीत गाएं

इस राउण्ड में ''गीत ये निर्माण के'' पुस्तिका के गीतों में से किसी भी गीत की तर्ज की धुन बजाये। धुन वाद्ययंत्र द्वारा भी बजायी जा सकती है और जहां वाद्ययंत्र की व्यवस्था संभव नहीं हो वहां उसी तर्ज पर आधारित दूसरे कोई भी गीत का मुखड़ा सुनाकर गीत पहचान सकते है।

चार राउण्ड के पश्चात् यदि प्रथम, द्वितीय, तृतीय का निर्णय हो जाता है तो ठीक है, यदि नहीं हो तो कम अंक प्राप्त करने वाले ग्रुप प्रतियोगिता से बाहर हो जायेंगे और शेष ग्रुप में एक राउण्ड और करवाये। जैसे कि –

पांचवा राउण्ड

इस राउण्ड में जैन पर्व से या ऐतिहासिक व संघीय किसी भी गीत से संबंधित चित्र दिखाये या फिर किसी भी तरह का क्लू (Clue) देकर गीत पहचाने व गाएं।

- उपरोक्त सभी राउण्ड में गीत प्रारंभ करने की समय सीमा स्थानीय सुविधानुसार आप स्वयं निर्धारित करें।
- प्रतियोगिता में वाद्ययंत्र का प्रयोग किया जा सकता है मगर चारित्रात्मों की सन्निधि हो तो उसके अनुरूप कल्पनीय वाद्ययंत्र का ही प्रयोग किया जाये।
- गणवेश अनिवार्य है। साफा या पगड़ी का प्रयोग नहीं करे। गरिमा का पूर्ण ध्यान रखें।
- प्रतियोगिता को आर्थिक दृष्टि से बोझिल नहीं बनाये। सहज में जो व्यवस्था हो सके वैसे करें। चित्र दिखाने के लिए स्क्रीन या प्रोजेक्टर का उपयोग कर सकते हैं मगर अनिवार्य नहीं है।
- भजन मंडली प्रतियोगिता के संदर्भ में कोई भी जिज्ञासा हो तो श्रीमती निर्मला चण्डालिया 09819418492 से सम्पर्क करें।

तत्वज्ञान / तेरापंथ दर्शन वर्ष 2018 की परीक्षायें

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत तत्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम की वर्ष 2018 की परीक्षायें देशभर के 87 केन्द्रों में दिनांक 18 व 21 दिसम्बर तद्नुसार मंगलवार व शुक्रवार को मध्यान्ह 1 बजे से आयोज्य है। चारित्रात्मायें यदि इन परीक्षाओं में भाग लेना चाहते हो तो राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती मंजु भूतोड़िया – 09312173434 से सम्पर्क करें।

जिनशासन की प्रभावना के गौरवमयी क्षण

मुंबई - देश के प्रतिष्ठित अखबार नवभारत टाइम्स द्वारा जैन समाज की चुनौतियों और कामयाबियों पर विशेष चर्चा हेतु समाज के चुनिंदा प्रतिनिधियों के साथ एक विशेष परिचर्चा आयोजित की गयी। बेहद खास लोगों के बीच हुई इस परिचर्चा में महिला समाज से केवल 2 महिलाएं आमंत्रित थी और अ.भा.ते.म.मं. अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा को उन चुनिंदा व्यक्तियों के साथ इस विशेष वार्ता में आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में JIO President श्री घेवरचंदजी बोहरा, मध्य रेल्वे के डी आर एम श्री एस.के. जैन, मीरा भाइंदर महापौर श्रीमती गीता जैन, मुंबई महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती जयश्री बडाला, विधायक श्री मंगल प्रभात लोढ़ा, भारत जैन महामंडल अध्यक्ष श्री के.सी. जैन, ऑल इण्डिया दिगम्बर समाज उपाध्यक्ष श्री शिखरचंद पहाडिया, J.A.I.F. चेयरमेन श्री पृथ्वीराज कोठारी, पोरवाल जैन परिषद अध्यक्ष श्री मदन मुठलिया, समाजसेवी श्री माणिकलाल शाह, श्री मनीष पारीक, JITO पूर्वाध्यक्ष श्री राकेश मेहता, प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. भरत परमार, मुंबई नवयुवक मंडल अध्यक्ष श्री विनोद बडाला एवं मुंबादेवी ज्वैलर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष श्री कुमार जैन आदि गणमान्य व्यक्तियों ने इस बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में जैन समुदाय अल्पसंख्यक होने पर भी किस तरह से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बना रहा है। व्यापार के साथ-साथ नौकरी और तमाम अन्य क्षेत्रों में भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा देश-दुनिया के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है, साथ ही साथ जैन समाज किन मुश्किलों का सामना कर रहा है, देश व सरकार से उनकी क्या अपेक्षा है इन सब विषयों पर विस्तृत चर्चा-परिचर्चा की गयी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने पूरे जैन सम्प्रदाय की नारी शक्ति का नेतृत्व करते हुए कहा कि जैन समाज में उच्च घराने की महिलाएं सामाजिक क्षेत्र में आगे है, लेकिन मध्यमवर्ग की अभी पीछे है। महिलाओं में प्रतिभा बहुत है। वे तन, मन, धन से जुड़कर कार्य करती है। महिलाओं की विशेषता है कि वे कोई भी कार्य अधूरा नहीं छोड़ती है। महिलाओं को मौका देने पर संस्कार एवं संस्कृति का बखूबी संरक्षण हो सकेगा। नवभारत टाइम्स द्वारा आयोजित इस परिचर्चा में सभी प्रतिनिधियों ने जैन समाज के विकास हेतु अपने अमूल्य सुझाव दिये। सभी ने समाज व देशहित हेतु कार्य करने में जैन समाज के अधिक से अधिक योगदान की संकल्पबद्धता दिखायी। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के लिए विशेष सम्मान का विषय रहा कि इस विशेष वार्ता में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा को समग्र जैन समाज की नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व करने का सुअवसर प्राप्त हुआ।

भुवनेश्वर महिला मंडल का रजत जयंती समारोह

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की सक्रिय शाखा भुवनेश्वर महिला मंडल के रजत जयंती समारोह में अ.भा.ते.म.मं. संरक्षिका श्रीमती तारादेवी सुराणा मुख्य अतिथि एवं ट्रस्टी श्रीमती सूरज बरड़िया विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रही। तेयुप भुवनेश्वर व महिला मंडल भुवनेश्वर दोनों ही संस्थाओं ने 25 वर्ष पूर्ण होने पर संयुक्त रूप से भव्य रूप में इस समारोह का आयोजन किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित ओडिशा राज्यपाल प्रो. गणेशलालजी को ''नारीलोक'' की प्रति भेंट की गयी। समारोह में अभातेयुप अध्यक्ष श्री विमल कटारिया मुख्य अतिथि व मंत्री श्री संदीप कोठारी, कोषाध्यक्ष श्री नवीन बैंगानी, शाखा प्रभारी श्री निर्मल बैंगानी, महासभा ओडिशा प्रभारी श्री प्रकाश जी बेताला, महासभा न्यासी श्री मनसुखजी सेठिया, बैंगलूर से श्री हीरालालजी मालू विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह में आयोजित व्यक्तित्व विकास कार्यशाला में मुख्य वक्ता युवा वैज्ञानिक श्री महावीर गोलछा ने आमंत्रितों को विशेष प्रशिक्षण दिया। मंडल अध्यक्ष श्रीमती शशि सेठिया एवं तेयुप अध्यक्ष श्री नीरज ललानी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मंडल मंत्री श्रीमती प्रेमलता सेठिया तथा तेयुप मंत्री श्री ललित कातेला ने भी भावाभिव्यक्ति दी। कार्यक्रम में श्री प्रफुल्ल जी बेताला एवं श्री वीरेन्द्रजी बेताला ने भी अपनी शुभकामना प्रेषित की। कन्या मंडल द्वारा ''यात्रा मोहन से महाश्रमण की'' की प्रदर्शनी भी लगायी गयी। समारोह में भुवनेश्वर सभा अध्यक्ष श्री महेशजी सेठिया एवं अन्य सभा संस्था के गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर का शुभारंभ

कोयम्बतूर – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में मुनिश्री ज्ञानेन्द्र कुमारजी के सान्निध्य में तेरापंथ महिला मंडल, कोयम्बतूर ने गर्वमेन्ट हॉस्पिटल के नवीनीकृत फिजियोथेरेपी वार्ड में अ.भा.ते.म.मं. द्वारा श्रीमती आरती राकेशजी कठोतिया के सौजन्य से 13 मशीनों का अनुदान किया। डेप्युटी कमिश्नर पुलिस सुजीत कुमारजी द्वारा फिजियोथेरेपी सेन्टर का उद्घाटन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया, ट्रस्टी श्रीमती प्रकाशदेवी तातेड़, रा.का.स. श्रीमती लता जैन इस अवसर पर विशेष तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दूसरे चरण में कोयम्बतूर महिला मंडल ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत कोयम्बतूर रेल्वे स्टेशन के प्लेटफार्म नं 1A पर **UVWater Plant** का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री व राष्ट्रीय टीम के द्वारा करवाया। कार्यक्रम में रेल्वे स्टेशन डायरेक्टर श्री पी. सतीशकुमार, ट्रस्ट अध्यक्ष श्री सुरेशजी ओस्तवाल व अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे। श्रीमती सीमा चोरड़िया का विशेष सहयोग रहा।

बहुआयामी कार्यक्रमों की श्रृंखला के तृतीय चरण में मंडल द्वारा Physically Challenged लोगों के लिए **Mobile Toilet** का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा व श्रीमती कमला गिरिया द्वारा करवाया गया। मंडल अध्यक्ष श्रीमती मधु बांठिया ने आंगतुकों का स्वागत किया। उपरोक्त कार्यक्रमों में राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री व राष्ट्रीय टीम के साथ-साथ गर्वनमेन्ट हॉस्पिटल के डीन एवं अन्य पदाधिकारीगण, 18 संस्थाओं के अध्यक्ष-मंत्री, महासभा उपाध्यक्ष श्री विनोदजी लुनिया, सभा अध्यक्ष श्री निर्मलजी रांका, माहेश्वरी समाज अध्यक्ष श्री गोपालजी बोहरा, श्री गुलाबजी मेहता, श्रवणजी बोहरा, श्रीमती अंजली जैन, तस्लीमजी आदि गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंतर्गत Eco Friendly Diwali पोस्टर का अनावरण राष्ट्रीय अध्यक्ष व टीम द्वारा किया गया। कुशल संचालन श्रीमती वंदना पारख ने किया। मंत्री श्रीमती मोनिका लुणिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

बीदासर – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की महत्वपूर्ण परियोजना आचार्यश्री महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेन्टर का शुभारम्भ बीदासर में श्रीमती आरती राकेशजी कठोतिया के सहयोग से तेरापंथ महिला मंडल बीदासर द्वारा किया गया। अ.भा.ते.म.मं. पूर्वाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैंगानी ने अपनी श्रम व समय का विशेष नियोजन कर इस सेन्टर के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। साध्वी श्री शुभ्रप्रभाजी एवं साध्वीश्री संपूर्णयशाजी के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम में अ.भा.ते.म.मं. के पूर्वाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैंगानी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, फिजियोथेरेपी सेन्टर की संयोजिका श्रीमती विमला दुगड़ ने शुभकामना प्रेषित की। वर्तमान परिवेश में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता व लोगों को स्वस्थ रखने हेतु संचालित सेन्टर में संस्था के योगदान की साध्वीश्रीजी ने सराहना की। कार्यक्रम में बीदासर महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती शांति बांठिया ने सभी का स्वागत किया। सभा मंत्री श्री अजित बैंगानी, तेयुप मंत्री श्री सुविधि बैंगानी, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती शांतिदेवी बैंगानी, फिजियोथेरेपीस्ट डॉ. मुकेश ने अपने विचार व्यक्त किये। पूर्व राष्ट्रीय परामर्शक श्रीमती आशा रामपुरिया, व कार्यालय प्रभारी श्रीमती सुमन नाहटा भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। श्री हनुमानजी सेखानी द्वारा सेन्टर का उद्घाटन किया गया। मंडल मंत्री श्रीमती भावना दुगड़ ने सभी का आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन गरिमा बोथरा ने किया। कार्यक्रम में कन्या मंडल संयोजिका दीप्ती दुगड़ व अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमापूर्ण उपस्थिति रही।

जो भी शाखा मंडल आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेंटर का संचालन करना चाहते हैं वो कृपया संयोजिका श्रीमती कल्पना बैद - 09831046456 एवं श्रीमती विमला दुगड़ - 09314517737 से संपर्क करें। इसके उद्घाटन कार्यक्रम या प्रचार-प्रसार से संबंधित सामग्री तथा निमंत्रण और बैनर के मैटर के संदर्भ में भी स्वीकृत कराने के पश्चात् ही प्रचारित करें।

आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा स्तंभ का लोकार्पण

कोटा – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की महत्वपूर्ण योजना कन्या सुरक्षा योजना के तहत कोटा महिला मंडल द्वारा भगवान महावीर बाल उद्यान में ''आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा स्तंभ'' का निर्माण किया गया। मुनिश्री धर्मचंदजी पियूष तथा जगत वल्लभ जैन दिवाकर श्री चौथमलजी महाराज के सुशिष्य श्री मूल मुनि एवं श्री राकेश मुनि के सान्निध्य में इसका लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक श्री प्रहलाद गुंजल, नगर विकास न्यास अध्यक्ष श्री आर. के. मेहता, विशिष्ट अतिथि नगर निगम महापौर श्री महेश विजय, पार्षद श्री इंद्रकुमार जैन आदि के अथक परिश्रम व विधायक कोष तथा न्यास के संपूर्ण आर्थिक सहयोग से इस स्तंभ का निर्माण किया गया। कोटा महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मंजु सुराणा ने सभी का स्वागत करते हुए सहयोग के लिए आभार ज्ञापित किया। लोकार्पण समारोह के दो दिन पश्चात् राजस्थान के गृहमंत्री श्री गुलाबचंदजी कटारिया ने स्तंभ का अवलोकन कर संस्था की इस योजना व कोटा महिला मंडल के कार्यों की सराहना की व मंगलकामना प्रेषित की। भव्य रूप से आयोजित इस लोकार्पण समारोह में मंडल मंत्री श्रीमती हेमलता जैन व अन्य सभा संस्था के पदाधिकारियों सहित 500 से भी अधिक व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

तत्वज्ञान एवं तेरापंथ दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की प्रमुख योजना आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत भुवनेश्वर तथा विशाखापट्टनम परीक्षा केन्द्रों में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन हुआ। दिनांक 24 व 25 अक्टूबर 2018 को तत्वप्रचेता डॉ. प्रेमलता चौरड़िया एवं श्रीमती मंजु घोड़ावत ने पश्चिम बंगाल से भुवनेश्वर जाकर दो दिन तक तत्वज्ञान के प्रथम वर्ष व तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण प्रदान किया तथा वहां के भाई–बहनों को तेरापंथ दर्शन के विषय में जानकारी प्रदान की। यह प्रशिक्षण उन्होंने लगभग 13 से 15 घंटे प्रतिदिन दिया।

दिनांक 20 व 21 नवम्बर 2018 को कोलकाता से तत्वप्रचेता श्रीमती सरला सुराणा एवं श्रीमती सरोज दुगड़ ने विशाखापट्टनम परीक्षा केन्द्र में परिक्षार्थियों को तत्वज्ञान के प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण लगभग 17 घंटे तक प्रदान किया। लगभग 25 भाई–बहनों ने इसमें भाग लिया। परीक्षार्थियों को गत वर्ष के प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। दोनों ही क्षेत्रों में प्रशिक्षकों ने निरंतर अध्ययन करने पर जोर दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु अपना संदेश प्रेषित किया। दोनों परीक्षा केन्द्रों के परीक्षार्थी प्रशिक्षण से संतुष्ट थे और उनके द्वारा कृतज्ञता ज्ञापित की गयी।

आचार्य तुलसी हॉस्पिटल, बीकानेर के B.M.T. यूनिट में अभातेममं द्वारा निर्मित कमरे का लोकार्पण

बीकानेर – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा नैतिकता का शक्तिपीठ गंगाशहर में आयोजित विराट युवती सम्मेलन ''उत्थान'' के दौरान आचार्य तुलसी रीजनल चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र बीकानेर में निर्माणाधीन ''आचार्य महाप्रज्ञ बोनमेरो यूनिट'' में एक कमरे का निर्माण संस्था द्वारा किये जाने की घोषणा की गयी थी। श्रीमती मनीषा सुरेन्द्रजी पटावरी, बेल्जियम के सौजन्य से संस्था ने कमरे का निर्माण का सहयोग आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान की इस महत्वपूर्ण परियोजना में किया। इस यूनिट के लोकार्पण समारोह में रा.का.स. श्रीमती सुधा भूरा व श्री सुरेन्द्रजी पटावरी के प्रतिनिधि श्री दीपक जैन का प्रतिष्ठान द्वारा सम्मान किया गया। कमरे के बाहर शिलालेख पर संस्था का नाम उल्लेखित किया गया। इस गरिमापूर्ण कार्यक्रम में प्रतिष्ठान अध्यक्ष श्री लूणकरणजी छाजेड़, श्रीमती शायरदेवी हीरालालजी मालू, डॉ. एम.बी.अग्रवाल, डॉ. संदीप जसूजा, डॉ. आर.पी.अग्रवाल, डॉ.एम.आर. बरड़िया, डॉ. पंकज टांटिया, डॉ. सुरेन्द्र बेनीवाल, डॉ. पिन्टू नाहटा, श्री जेठमलजी बोथरा, श्री विमल चौपड़ा आदि गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थित रही।

विभिन्न कार्यक्रमों में राष्ट्रीय अध्यक्ष की उपस्थिति

चैन्नई – शांतिदूत महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में साध्वी प्रमुखा श्री कनकप्रभाजी के मार्गदर्शन में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित मासिक कार्यशाला We Connect के अन्तर्गत Connection with Relation – सास बहू सम्मेलन का चैन्नई महिला मंडल द्वारा आयोजन किया गया। नमस्कार महामंत्र के साथ कार्यक्रम प्रांरभ के पश्चात् बहनों ने प्रेरणागीत की सुंदर प्रस्तुति दी। मंडल अध्यक्ष श्रीमती कमला गेलड़ा ने सभी का स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने विषय पर बहनों को प्रशिक्षण देते हुए कहा कि स्वस्थ परिवार के निर्माण हेतु सास–बहू में समन्वय रहे व दोनों एक दूसरे को सहयोग करते हुए अपने रिश्तों को मजबूत करे। साथ ही चार्तुमास काल के दौरान अ.भा.ते.म.मं. के तत्वावधान में हुए कार्यक्रमों में सहयोग देने हेतु चैन्नई महिला मंडल को धन्यवाद भी ज्ञापित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद व रा.का.स. श्रीमती उषा बोहरा, श्रीमती लता जैन, श्रीमती शशि नाहर की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस सम्मेलन में विशेष तौर पर उपस्थित श्रीमती कुमुद जी कच्छारा की सास श्रीमती संतोष देवी, माँ श्रीमती प्रेमलता जी एवं भाभी श्रीमती रेखा खाब्या ने भी कार्यक्रम के दौरान आयोजित गेम्स में भाग लिया व बहनों का उत्साहवर्धन किया। आध्यात्मिक स्तर पर सीखने के बिंदु में गोचरी के संदर्भ में विशेष प्रशिक्षण श्रीमती राजश्री डागा द्वारा दिया गया। सम्मेलन में 200 के लगभग बहनों ने भाग लिया। समणी मध्यस्थप्रभाजी ने बहनों को प्रेरणा देते हुए कहा कि सास–बहू के संबंध स्वस्थ होंगे तो परिवार व समाज भी स्वस्थ व समृद्ध रहेंगे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने श्रेष्ठ सास–बहू की तीन जोड़ियों की घोषणा की। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंडल मंत्री श्रीमती शांति दुधोड़िया ने किया।

थाणा (मुंबई) – शांतिदूत आचार्य महाश्रमणजी के आज्ञानुवर्ती आगम मनीषी प्रो. मुनि श्री महेन्द्र कुमारजी ठाणा–5 के सान्निध्य में आयोजित अ.भा.ते.यु.प. की महाराष्ट्र स्तरीय व्यक्तित्व विकास कार्यशाला ''परिवर्तन – रिश्ते वही, सोच नयी'' में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा विशेष अतिथि के तौर पर उपस्थित रही। अभातेयुप अध्यक्ष श्री विमल कटारिया, मंत्री श्री संदीप कोठारी, पूर्व अध्यक्ष श्री बी.सी.भलावत ने वर्तमान परिवेश में रिश्तों को कैसे सहेज कर प्रेम व सौहार्दपूर्ण वातावरण परिवार में बनाया जाए इसे विस्तृत रूप में बताया। मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी स्वामी ने कहा कि तेरापंथ धर्मसंघ स्वयं परिवर्तन की सोच की उपज है। आचार्य भिक्षु की सोच नयी थी यही वजह है कि तेरापंथ धर्मसंघ अपनी सफलताओं के उच्चतम शिखर पर है। डॉ. मुनिश्री अभिजीत कुमारजी ने कहा परिवर्तन के साथ जिसने जीवन को जीना सीख लिया है वह व्यक्ति ही सफलता को प्राप्त करता है। मुनिश्री अजितकुमारजी ने गितिका के माध्यम से भावों की प्रस्तुति दी। कार्यशाला में सिरियारी संस्थान महामंत्री श्री निर्मल श्रीश्रीमाल, थाना सभा अध्यक्ष श्री देवीलाल श्रीश्रीमाल ने भी अपने विचार रखे। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने कहा कि नवीन सोच इस नवीन परिवेश में परिवर्तन के मार्ग को सुगमता से प्रशस्त करेगी इसलिए परिवर्तन को सकारात्मकता से अपनाना होगा। मोटीवेटर हिमानीजी चावड़ा ने मोटीवेशनल वक्तव्य द्वारा सभी का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में सिरियारी संस्थान कोषाध्यक्ष श्री गौतम कोठारी, कार्यशाला केन्द्रीय प्रभारी श्री प्रवीण बेताला, थानासभा मंत्री श्री जंयति बरलोटा, राष्ट्रीय परामर्शक श्रीमती प्रेमलता सिसोदिया एवं रा.का.स. श्रीमती जयश्री बडाला तथा अन्य सभा संस्था के गणमान्य पदाधिकारीगण व तेयुप कार्यकर्ताओं की सराहनीय उपस्थिति रही। संचालन श्री दीपेश मोटावत ने किया।

मुंबई – तेरापंथ महिला मंडल, मुंबई के तत्वावधान में मलाड क्षेत्र ने ''अहिंसा का संदेश'' व ''राग से वैराग्य की ओर'' नेम राजुल की कहानी पर आधारित लघु नाटिका का मंचन किया। अ.भा.ते.म.मं. अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। कार्यक्रम में मुंबई महिला मंडल अध्यक्ष व रा.का.स. श्रीमती जयश्री बडाला एवं अ.भा.ते.म.मं. विशेष सहयोगी श्रीमती रचना हिरण के साथ 300 से अधिक भाई–बहनों की उपस्थिति रही। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मलाड़ महिला मंडल की डायरेक्ट्री का विमोचन किया।

कालबादेवी – आचार्यश्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री अणिमाश्रीजी एवं साध्वी श्री मंगलप्रज्ञाजी के सान्निध्य में महाप्रज्ञ विहार, कालबादेवी में महाप्रज्ञ विद्यानिधी फाउंडेशन द्वारा आयोजित नारी सशक्तिकरण सम्मेलन में अ.भा.ते.म.मं. अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने मुख्य वक्ता के तौर पर कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम में केबिनेट

मिनिस्टर श्रीराज पुरोहित, नगर सेवक आकाश राजपुरोहित, दक्षिण मुंबई बीजेपी अध्यक्ष श्री सिद्धार्थ गमरे, सचिव श्री पदम जैन, उद्योगपति श्री कांतिलाल मेहता, फाउंडेशन अध्यक्ष श्री किशनलाल डागलिया, महाप्रज्ञ स्कूल चेयरमेन श्री शुभकरण बैद, नारी चेतना मंच अध्यक्ष श्रीमती प्रेरणा सिरोहिया, श्रीमती राधिका पुरोहित, श्रीमती नूतन गुप्ता, श्रीमती नयना टोपरानी, मुंबई महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती जयश्री बडाला आदि गणमान्य व्यक्तियों ने सम्मेलन में अपने ओजस्वी विचार रखे। साध्वी श्री अणिमाश्रीजी ने नारी को शिक्षा व अन्य क्षेत्रों में विकास के साथ-साथ स्वयं पर स्वयं का अनुशासन कर विचारों को सकारात्मक पथ पर चलित कर ऊर्जा का अक्षय भंडार प्राप्त करने की विशेष प्रेरणा दी। साध्वी श्री मंगलप्रज्ञाजी ने पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि भारतीय नारी त्याग-तप की प्रतीक है, और वह इन गुणों को सुरक्षित रखते हुए परिवार में सौहार्द बढ़ाते हुए विकास के मार्ग पर उन्नत हो यही वास्तविक सशक्तिकरण होगा। साध्वी सुधाप्रभाजी ने कहा कि महिलाएं अपने कर्तव्य की स्याही से नित नवीन करिश्माई आलेख लिख रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि महिलाएं सदैव ही सशक्त रही है। पुरुषो को भी उन्होंने समय-समय पर सहयोग कर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। अब वक्त है कि महिलाएं स्वयं के लिए शक्ति व समय का नियोजन कर स्व्यं के विकास के साथ-साथ समाज तथा राष्ट्र के विकास में और अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाये। साध्वीश्री मैत्री प्रभाजी ने मंच का कुशल संचालन किया। साध्वीवृंद द्वारा मंगल संगान किया गया। कार्यक्रम में दक्षिण मुंबई महिला मंडल व अन्य सभा-संस्थाओं के गणमान्य पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

साध्वी श्री अणिमाश्रीजी एवं साध्वीश्री मंगलप्रज्ञाजी के सान्निध्य में आयोज्य मुंबई ज्ञानशाला प्रशिक्षक सम्मेलन रंग-तरंग में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा विशेष अतिथि के तौर पर उपस्थित रही। साध्वीश्री अणिमाश्रीजी ने प्रेरक उद्‌बोधन में कहा कि बच्चों को संस्कारित करने वाला एक महत्वपूर्ण उपक्रम है ज्ञानशाला। भावी पीढ़ी में अध्यात्म के रंग भरने का सशक्त माध्यम है ज्ञानशाला व मुंबई महानगर की ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं की विशाल उपस्थिति इस विश्वास को और अधिक संतुष्ट कर रही है। साध्वी श्री मंगलप्रज्ञाजी ने प्रेरणा देते हुए कहा कि वह समाज व राष्ट्र सदैव विकास के शिखर पर पहुँचा है जिसकी बाल पीढी का निर्माण सचेष्टता के साथ संस्कारित कर अनुशासित रूप में हुआ है। प्रशिक्षिका बहनें स्वयं ज्ञानार्जन के रंग से तरंगित बन ज्ञानार्थियों का मार्गदर्शन करे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गुरुदेव तुलसी के इस महत्वपूर्ण अवदान के लिए कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि महिलाएं घर के साथ-साथ ज्ञानशाला के माध्यम से बाल संस्कार निर्माण में अपना अधिकतम समय नियोजित कर समाज व राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दे रही है। आंचलिक संयोजिका श्रीमती सुमन चपलोत ने ज्ञानशाला के कार्यों की जानकारी दी। स्वागत भाषण श्रीमती विनिता धाकड़ ने दिया। साध्वीश्री मैत्रीप्रभाजी व मुंबई महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती जयश्री बडाला ने भी अपनी अभिव्यक्ति दी। कार्यक्रम में महाप्रज्ञ विद्यानिधी फाउण्डेशन अध्यक्ष श्री किशनलालजी डागलिया व अन्य पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कुशल संचालन साध्वी श्री सुधा प्रभाजी ने किया।

दिशा निर्देश

- जो शाखा मंडल अधिवेशन में सहभागी नहीं हुए वो अपने बकाया रजिस्ट्रेशन शुल्क की राशि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के खाते (ओबीसी लाडनूं एकाउन्ट नं. 10272010000350) में जमा करावें। रसीद की प्रतिलिपि केन्द्रीय कार्यालय लाडनूं में भिजवाएं।
- अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम एवं आमंत्रण पत्र आदि की संपूर्ण रूपरेखा महामंत्री कार्यालय में निश्चित रूप से स्वीकृत कराएं।
- अधिक से अधिक बहनें नारीलोक प्रश्नोत्तरी में भाग लें।
- शाखा मंडल के अध्यक्ष/मंत्री अपने क्षेत्रीय प्रभारी से निरंतर संपर्क में रहे और अपने कार्यों की सूचना दे और सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त करें।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता दिसम्बर 2018

सन्दर्भ ग्रंथ : महाप्रज्ञ प्रबोध - 16 से 30 पद्य अर्थ सहित
तेरापंथ का इतिहास पुष्ठ 266 से 292 तक
(वंदन न किया जाए से शिष्य सम्पदा तक)

अ. मेरा परिचय कराइये - (मैं कौन हूं ?)

1. मुझे जुलुस बनाकर बाजार से जाने आने की बहुत रूचि थी
2. जीव की वह परिणति जिससे कर्मो का ग्रहण होता है
3. यहां आचार्य श्री भारमलजी का दाह संस्कार हुआ
4. मैं मुनि तुलसी व बालमुनि नथमल के साथ आहार करता था
5. मुझे मुनि सरूपचंदजी ने दीक्षा दी
6. मैंने विद्वेषियों की आशाओं पर अचानक तुषारापात कर दिया
7. शैक्ष साधुओं को संस्कृत व व्याकरण में प्रवेश के लिए कंठस्थ कराया जाता है
8. मैं जौहरियों का बादशाह
9. मैं श्री लूणकरणजी चौपड़ा का पिता
10. मैं कभी कर्मो को ग्रहण नहीं करता
11. मेरे तीन पुत्र हैं - जयाचार्य, सरूपचंदजी व भीमजी
12. वे प्रमाद होने पर उपालम्भ देते व अच्छा काम करने पर साधुवाद देते
13. मेरे द्वारा कालुकौमुदी प्रणीत है
14. अनुशासन और मैं एक साथ कभी नहीं चल पाते
15. मुझमें मुनि की जीवन यात्रा का निरूपण किया गया है।

ब. संक्षिप्त उत्तर दीजिए :-

1. बालक नथमल के बाजार में अकेले रह जाने पर किसने मार्गदर्शक की भूमिका निभाई ?
2. तेरापंथ के आचार्यों का सबसे आवश्यक व महत्वपूर्ण दायित्व क्या है ?
3. कालूगणी बाल मुनि को किन शब्दों से सम्बोधित करते थे ?
4. किसने कहा - आप लोग कल्पाकल्प का पूरा विवेक रखते हैं।
5. साधु आचारी ढाल किसके द्वारा लिखित है ?
6. माँ बल्लूजी व बालक नथमल की दीक्षा कहाँ हुई व उस समय अभिभावक के रूप में वहाँ कौन उपस्थित थे?
7. बालक नथमल को अपने साथ क्या रखने की आदत थी?
8. दान और दया की जड़ में और क्या काम करता है ?
9. नत्थू को मुनि तुलसी के दर्शन जरूर करने के लिए किसने कहा ?
10. अनुशासन भंग को आचार्य भारमलजी कैसा अपराध मानते थे ?

महाप्रज्ञ प्रबोध

स. जोड़ी मिलाओ : Match the following :

1.	आगन्या	-	पाठशाला
2.	सहकार	-	धीरे-धीरे
3.	बाकी	-	अन्तःपुर
4.	कालूगणी	-	आम
5.	मंथर	-	आज्ञा
6.	संवरी	-	छोगां सुत
7.	आण	-	बाकी
8.	पछेवड़ी	-	शपथ
9.	डयोढ़ी	-	चादर
10.	पोशाल	-	संवरयुक्त

नोट : उत्तर पुस्तिका पर अपना नाम पता एवं फोन नं. अवश्य लिखें। उत्तर महिने की 25 तारीख तक श्रीमती रमन पटावरी के पते पर अवश्य पहुँच जाए।
उत्तर फुल साइज पेज पर हाशिया छोड़ते हुए शुद्ध एवं साफ लिखें।
प्रश्न का उत्तर जितना पूछा जाए उतना ही दें।

श्रीमती रमन पटावरी
SILVER SPRING,
JBS 5 HALDEN AVENUE,
BLOCK - 1, 17-C, KOLKATA - 700105
मोबाईल : 9903518222 / 033-40620395
ई-मेल : raman.patawari@gmail.com

नवम्बर माह के प्रश्नों के उत्तर

अ.

1. पयःपान
2. राजनगर
3. सत्याग्रह
4. अकुतोभय
5. पाडिहारिय
6. शिक्षा
7. बीठोरा
8. उध्र्वारोहण
9. परिष्ठापन
10. तेतली-पुत्र
11. सत्यशोध
12. जिजीविषा
13. आठ
14. ज्योति केन्द्र
15. लालिमा

ब.
1. मुनि टोकरजी लिखना नहीं जानते थे।
2. अनेक परिवारों में धर्म के संस्कारों का बीज वपन कर देना।
3. माली बाई का स्वभाव सौम्य था जबकि पारी बाई का स्वभाव मृदु नहीं था।

स.
1. किसनोजी ने स्वामीजी से
2. साध्वीश्री बालूजी ने आसकरणजी चौपड़ा से
3. स्वामीजी ने साधुओं से कहा

अक्टूबर माह की प्रश्नोत्तरी के 10 भाग्यशाली विजेता

1. सरला दूगड़ - पूर्णिया (बिहार)
2. हर्षिता भूरा - नोखा
3. प्रीति जैन - जगराओ
4 मोहनी देवी संकलेचा - जसोल
5. रेखा कोठारी - अहमदाबाद
6. विमला देवी कांकरिया - बालोतरा
7. सरला मालू - साउथ कोलकाता
8. भाग्यवती चपलोत - राजनगर
9. यशवन्त सूवरिया - भीलवाड़ा
10. शांतिदेवी डाकलिया - दलखोला

सर्वाधिक प्रविष्टियाँ बालोतरा से 95 व द्वितीय अहमदाबाद से 65 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई।

संगठन यात्रा

तिरूपुर – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा शाखा सार संभाल के अंतर्गत उन्नति संगठन यात्रा के तहत तमिलनाडु के Export Hub नाम से प्रसिद्ध शहर तिरूपुर में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, ट्रस्टी श्रीमती प्रकाशदेवी तातेड़, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया, रा.का.स. श्रीमती लता जैन द्वारा संगठन यात्रा की गयी। मुनिश्री प्रशांतकुमारजी एवं मुनिश्री कुमुद कुमारजी के सान्निध्य में नवकार मंत्र के उच्चारण से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मंडल अध्यक्ष श्रीमती अनिता बरड़िया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आचार्यश्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में आयोजित वर्धमान महोत्सव के दौरान आयोज्य मंडल के रजत जयंती समारोह की विस्तृत जानकारी दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने पूज्य प्रवर के पदार्पण पर संगठित होकर कार्य करने की प्रेरणा दी साथ ही बहनों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने संस्था की चारों योजनाओं एवं मोबाईल एप की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का कुशल संचालन तथा आभार ज्ञापन मंत्री श्रीमती अलका बैद ने किया। बहनों ने अच्छी संस्था में उपस्थित हो संगठन यात्रा को निष्पतिजनक बनाया।

रास्ते की सेवा ''भावना''

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा रास्ते की सेवा ''भावना'' का उपक्रम पुनः 28 नवम्बर से प्रारंभ हो चुका है। परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के शुभ आशीर्वाद एवं मातृहृदया, वात्सल्य की प्रतिमूर्ति, असाधारण साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी की कृपा से कर्म निर्जरा के इस महनीय उपक्रम से जुड़ने का सौभाग्य हमें प्राप्त हुआ है। अतः आप सभी शाखा मंडलों एवं राष्ट्रीय कार्यसमिति की बहनों से विनम्र अनुरोध है कि सेवा के इस महायज्ञ में जुड़ें और गुरु सन्निधि का लाभ उठाये। प्रत्येक शाखा मंडल 4-4 बहनों के समूह में आकर 7 दिन की सेवा प्रदान करें। शारीरिक रूप से पूर्णतया स्वस्थ बहनों को ही भेजने का प्रयास करें। युवती बहनों को प्राथमिकता दें। राष्ट्रीय कार्यसमिति की सभी बहनें अनिवार्य रूप से इस उपक्रम से जुड़े। नाम देने हेतु निम्न बहनों से सम्पर्क करें –

निदेशिका
श्रीमती शोभा दुगड़
+91 98313 00006

संयोजिका
श्रीमती कांता तातेड़
+91 98206 48887

श्रीमती लीना दुगड़
+91 98307 58882

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को मिलने वाला अनुदान

51,000 श्रीमती विजयलक्ष्मी मोहनजी, श्रीमती अल्पा विदित भूरा (गंगाशहर-जयपुर) द्वारा नूतन गृह प्रवेश के उपलक्ष में सप्रेम भेंट।

21,000 श्रद्धा की प्रतिमूर्ति स्व. श्रीमती मोहनी देवी स्व. श्री धर्मचन्दजी रांका की पुण्य स्मृति में पुत्र-पुत्रवधु संतोष-प्रभा, धनपत-सरिता रांका (रायबरेली-खुश्कीबाग) द्वारा सप्रेम भेंट।

21,000 श्रीमती नीना राजकुमारजी, श्रीमती अंकिता हर्ष बरड़िया (चुरू - बैंगलोर) द्वारा भावना चौके हेतु सप्रेम भेंट।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

महामंत्री कार्यालय : श्रीमती नीलम सेठिया – 28/1, शिवाया नगर, 4th Cross, रेड्डीयुर, सेलम-636004, तमिलनाडु
मो. : 099524 26060 ईमेल neelamsethia@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : श्रीमती सरिता डागा – 45, जेम एनक्लेव, प्रधान मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर – 302 017
मो. : 094133 39841 ईमेल sarita.daga21@gmail.com

नारीलोक हेतु सम्पर्क करें : श्रीमती सौभाग बैद मो. : 080031 31111 श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा मो. : 096199 27369
नारीलोक देखें website : www.abtmm.org